

आरत का गज़ेट The Gazette of India



प्रतावारण

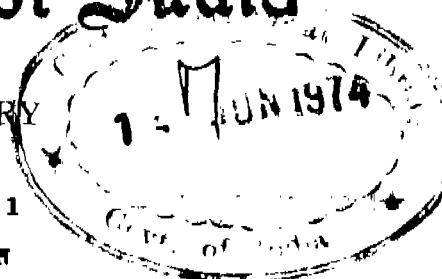
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



नं. 111] नई दिल्ली, वृहस्पतिवार, मई 9, 1974/वैशाख 19, 1896

No. 111] NEW DELHI, THURSDAY, MAY 9, 1974/VAISAKHA 19, 1896

इस भाग में भिन्न प्रष्ठ संख्या की जाती है जिससे इक पह अलग संक्षेप के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

LOK SABHA

NOTIFICATION

New Delhi, the 9th May 1974

No. 46/2/CL/74.—The following paragraph published in the Lok Sabha Bulletin—Part II, dated the 8th May, 1974, is hereby published for general information:—

“No. 1729

Amendments to Directions by the Speaker under the Rules of Procedure of Lok Sabha

In pursuance of rule 389 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in Lok Sabha (Fifth Edition), the Speaker has made the following amendments to the Directions:—

DIRECTION 2

1. In Direction 2,—

(a) item (iv) shall be omitted and items (v) to (xi) shall be renumbered as items (iv) to (x) respectively; and

(b) after item (x) as so renumbered, the following shall be inserted, namely:—

“(xi) Calling attention notices”.

DIRECTION 13A

2. After Direction 13, the following new Direction 13A shall be inserted, namely:—

Answers to
questions to
be completed.

“13-A. Answers to questions given in the House shall be complete and, as far as possible, each part thereof shall be answered separately.

If, on his attention being drawn to an answer, the Speaker is satisfied that it does not fulfil this condition, he may direct the Minister to give a complete answer.”

S. L. SHAKDHER,
Secretary-General.”

लोक सभा

अधिसूचना

नई विलोमी, 9 मई, 1974

सं. 46/2/सी 1/74.—लोक सभा समाचार—भाग 2 दिनांक 8 मई, 1974 में प्रकाशित निम्नलिखित पैरा एतद्वारा सामान्य जानकारीद्वारा प्रकाशित किया जाता है:—

“संख्या 1729

लोक सभा के प्रक्रिया नियमों के अधीन अध्यक्ष द्वारा निर्देशों में संशोधन

लोक सभा के प्रक्रिया तथा कार्य-सचालन सम्बन्धी नियमों (पांचवां संस्करण) के नियम 389 के अनुसरण में, अध्यक्ष ने निर्देशों में निम्नलिखित संशोधन किये हैं:—

1. निरेश 2 में,—

निरेश 2

- (क) मद (चार) का लोप किया जाएगा और मद (पांच) से (ग्यारह) को कमातः मद (चार) से (दस) के रूप में पुनर्संज्ञाकित किया जायेगा; और
- (ख) इस प्रकार पुनर्संज्ञाकित की गई मद (दस के पश्चात्), निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :—

“(ग्यारह) ध्यानाकर्षण सूचनाएँ”

निरेश 13-क

2. निरेश 13 के पश्चात्, निम्नलिखित नया निरेश 13क अन्तःस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :—

प्रश्नों के उत्तर 13क. सभा में दिये गये प्रश्नों के उत्तर पूर्ण होंगे तथा, यथासंभव, उसके पूर्ण होंगे। 13क. प्रत्येक भाग का उत्तर पृथक् रूप से दिया जायेत।

यदि किसी उत्तर की ओर उनका ध्यान विलाये जाने पर अध्यक्ष संतुष्ट हो जाये कि यह इस शर्त को पूरा नहीं करता है, तो वह मंजी को पूर्ण उत्तर देने के लिए निरेश दे सकता है।”

रामलाल शक्ति,
महासचिव।”